भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3351

जिसका उत्तर 12.03.2026 को दिया जाना है

राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण स्थलों पर भूस्खलन और दुर्घटनाएँ

†3351. एडवोकेट के. फ्रांसिस जॉर्ज:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण स्थलों पर भूस्खलन, पहाड़ियों के ढहने और दुर्घटनाओं की घटनाओं से अवगत है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान कॉरिडोर-वार और राज्य-वार रिपोर्ट की गई ऐसी घटनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या अनुचित पहाड़ी कटान, कमजोर सुरक्षात्मक संरचनाओं और खराब जल निकासी जैसी सुरक्षा चूकों के संबंध में कोई भूगर्भीय या पर्यावरणीय आकलन किया गया है और यदि हां, तो इसके निष्कर्ष क्या रहे;

(घ) भू-तकनीकी संपरीक्षा, सुरक्षा निगरानी और आपदा प्रबंधन दिशानिर्देशों के अनुपालन को अनिवार्य बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ङ) वास्तविक समय भूस्खलन निगरानी प्रणाली स्थापित करने और अनुबंधकर्ता जवाबदेही तंत्र को मजबूत करने के लिए क्या उपाय प्रस्तावित हैं?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) और (ख) सामान्य तौर पर, हिमालय क्षेत्र और पश्चिमी घाट खंडों के पहाड़ी क्षेत्रों में बारिश के मौसम के दौरान राष्ट्रीय राजमार्गों (एनएच) खंडों को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाने वाली आपदाएं देखी गई हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर संरचनाओं सहित होने वाले नुकसान, भारी बारिश, भूस्खलन, बाढ़ आदि जैसी अप्रत्यक्षित घटनाओं (फोर्स मेज्योर) के अलावा विभिन्न अन्य कारणों जैसे डिजाइन दोषों, मानकों/विशिष्टताओं का अनुपालन न करने, अनुचित निर्माण प्रथाओं/तकनीकों आदि के कारण भी होते हैं।

पिछले पांच वर्षों के दौरान एनएच खंडों में ढहने की घटनाओं /बड़ी त्रुटियों का राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी) -वार विवरण (पुलों, पुलियों आदि जैसी संरचनाओं सहित) अनुलग्नक में है।

(ग) से (ड.) निर्माण के दौरान पहाड़ी ढलानों की विफलताओं, पर्यावरण प्रभाव आकलन रिपोर्ट आदि के अध्ययन के आधार पर, सरकार ने आपदा प्रतिरोधी राष्ट्रीय राजमार्ग अवसंरचना, जिसमें संरचनाएं शामिल हैं, को विकसित करने के लिए विभिन्न पहलें की हैं, जिनमें शामिल हैं: -

i. सलाहकारों द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के भाग के रूप में ढलान अध्ययन और स्थिरीकरण को शामिल करना। संपत्ति और अवसंरचना को नुकसान से बचाने के लिए मार्गाधिकार

(आरओडब्ल्यू) के भीतर और बाहर दोनों जगह भूवैज्ञानिक और भू-तकनीकी जांच करना है। इसके अलावा, कैच वाटर नालियों, कैच पिट के साथ साइड नालियों, कट ऑफ नालियों, क्रॉस ड्रेनेज आदि के निर्माण पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए।

ii. पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन संभावित क्षेत्रों के लिए पहाड़ी ढलान स्थिरता की जांच करने और लागत प्रभावी दीर्घकालिक स्थिरीकरण उपायों का चयन करने के लिए मानकीकृत मानदंडों का कार्यान्वयन।

iii. पहाड़ी निर्माण पद्धति को परिष्कृत किया गया है जो केवल पहाड़ी कटाई और ढलान सुरक्षा के लिए प्रारंभिक निर्माण और इसके पश्चात राजमार्ग निर्माण जो अनिवार्य रूप से केवल स्थिर कटाई गठन और सुरक्षा कार्य के बाद होता है।

iv. वास्तविक समय में भूस्खलन निगरानी प्रणालियों के लिए पायलट आधार पर 2 एनएच खंडों में आंतरिक ढलान विक्षोभों की सेंसर उपकरण आधारित निगरानी भी शुरू की गई है।

v. पहाड़ी और भूस्खलन प्रवण क्षेत्रों को स्थिर करने के लिए कॉयर / जूट मैट हाइड्रोसीडिंग, ग्रीन स्ट्रिप्स के साथ इंटरलिंक्ड चेन मेश, स्टेप्ड बर्म्स द्वारा बांस पाइलिंग और जूट मैटिंग पर वेटिवार घास रोपण आदि जैसे टिकाऊ बायो-इंजीनियरिंग उपायों का कार्यान्वयन, जिससे ऐसे क्षेत्रों में एनएच पर सुरक्षा बढ़ सके।

vi. पहाड़ी ढलान अस्थिरता उपकरण और वास्तविक समय निगरानी के आकलन के लिए दिशानिर्देशों के विकास हेतु आईआईटी रुड़की के माध्यम से अनुसंधान योजना शुरू की गई है

vii. अधिसूचित आपदाओं के मामले में क्षेत्रीय अधिकारियों को शक्तियों के प्रत्यायोजन के साथ मानक संचालन प्रक्रिया जारी की गई है।

viii. राजमार्ग दोषों की निगरानी और सुधार के लिए एक केंद्रीकृत निगरानी अनुप्रयोग प्रणाली का परिचालन जो ठेकेदार की जवाबदेही के लिए तस्वीरों के साथ दोषों की जियो-टैगिंग को सक्षम बनाता है।

ix. प्राधिकरण के अधिकारियों को एनएच खंडों की दोष दायित्व अवधि (डीएलपी)/रियायत अवधि की समाप्ति के छह महीने के भीतर एनएच खंडों की दोष सुधार और रखरखाव की स्थिति की जांच करने के लिए पूरी तरह से निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। ठेकेदार / रियायतकर्ता द्वारा संविदागत दायित्वों को पूरा नहीं करने की स्थिति में, डीएलपी / रियायत अवधि को भी उचित रूप से बढ़ाया गया है।

अनुलग्नक

राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण स्थलों पर भूस्खलन और दुर्घटनाएँ के संबंध में एडवोकेट के. फ्रांसिस जॉर्ज द्वारा 12.03.2026 को पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 3351 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

पिछले पांच वर्षों और चालू वित्तीय वर्ष के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग खंडों के ढहने/बड़ी त्रुटि में सुधार कार्यों तथा संविदाकारों, रियायतग्राहियों, सलाहकारों, सरकारी अधिकारियों आदि के विरुद्ध की गई कार्रवाई सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र (यूटी)-वार विवरण संलग्न है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
अरुणाचल प्रदेश	1	वर्ष 2021-22 के लिए अरुणाचल प्रदेश राज्य में एनएच -713ए और एनएच -13 के पापु - युपिया - होज - पोटिन खंड पर किमी 31.000 (होज मार्केट), किमी 38.300 (याबी गांव), किमी 39.000 (झरना), किमी 39.700 (अप्पा क्रशर) और किमी 40.300 (क्रशर प्वाइंट) पर स्लिप जोन का स्थायी समाधान	2024	आर.ई. दीवार ढह गई	संविदाकार द्वारा शुरू किए गए दोषपूर्ण कार्य का सुधार। संविदाकार पर अनुबंध मूल्य का 5% जुर्माना
आंध्र प्रदेश	2	हाइब्रिड वार्षिकी मोड पर भारतमाला परियोजना के तहत आंध्र प्रदेश राज्य में एनएच-16 के विजयवाड़ा-गुंडुगोलानु खंड में चिन्ना औटुपल्ली (डिजाइन चैनेज 0+000) से गोलापुडी (डिजाइन चैनेज 30+000) तक विजयवाड़ा बाईपास को छह लेन का बनाना।	2024	आर.ई. वॉल के निर्माण में दोष।	रियायतग्राही ने आर.ई. वॉल विशेषज्ञ की सिफारिश/सुझाव के आधार पर सुधार कार्य शुरू किया। रियायतग्राही से क्षतिपूर्ति के रूप में 10,99,235 /- रुपये वसूल किए गए।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	3	आंध्र प्रदेश में एनएच -16 के आनंदपुरम-पेंडुर्थी-अनकापल्ली खंड को छह लेन का बनाना	2021	फ्लाईओवर के ए1-ए2 एबटमेंट पर 2 गर्डर (जी1 और जी2) कई लकड़ी के ब्लॉकों के उपयोग और गर्डरों के लिए अनुचित सहारे के कारण ढह गए।	सुधारात्मक उपाय रियायतग्राही द्वारा अपने स्वयं के खर्च पर पूरे किये गए।
बिहार	4	बिहार राज्य में ईपीसी मोड पर एनएच-31 के सिमरिया-खगड़िया खंड को किमी 206.050 से किमी 266.282 (डिजाइन चैनेज) और (एनएच-31 के मौजूदा चैनेज किमी 209.945 से किमी 270.000 तक) चार लेन का बनाना	2023	सीआरआरआई द्वारा किमी 264.946 पर पुल के अधिसंरचना के कंक्रीट की गुणवत्ता में रिपोर्ट की गई समस्याएं	सीआरआरआई रिपोर्ट में सिफारिश के अनुसार संविदाकार द्वारा मरम्मत कार्य शुरू किया गया
	5	वाराणसी - मोहनिया (जीटीआरआईपी/5; पैकेज - IV ए): उत्तर प्रदेश और बिहार में एनएच-2 पर एनएच-2 के किमी 65 से किमी 317 तक मौजूदा 2 लेन खंड का 4 लेन	2023	संरचनात्मक तत्वों में प्रमुख कमियाँ	संविदाकार पर 25 करोड़ रुपये का हर्जाना लगाया गया
छतीसगढ	6	एनएच-200 (नया एनएच-130) के सिमगा-सरगांव खंड का किमी 48+580 से किमी 91+026 तक 4 लेन का निर्माण	2024	सीमेंट कंक्रीट पैनलों में दरारें	ईपीसी संविदाकार के जोखिम और लागत पर पैनल सुधार के लिए कार्रवाई की गई।
	7	ईपीसी मोड के तहत एनएच-200 (नया एनएच-130) के सरगांव-बिलासपुर खंड को किमी 91+026 से किमी 126+525 तक 4-लेन किया जाएगा।	2022	सीमेंट कंक्रीट पैनल और किमी. 91, 96, 101, 102 और 106 पर आर.ई. वॉल में दरारें उभरी	ईपीसी संविदाकार ने साइट पर सुधार कार्य शुरू कर दिया है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	8	एनएच 200 (नया एनएच 49) (पैकेज-III) पर बिलासपुर उरदावल खंड के किमी 241.553 से 312.60 = 71.0476 किमी (मसनियालाला से रेंगापाली) में पेव्ड शोल्डर के साथ 2-लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन (किमी 217.358 पर बोराई नदी एमएनबी)	2025 आर एमवीएलएमओ	छोटे पुल के स्लैब को नुकसान	यह कार्य दोष दायित्व अवधि में है और संविदाकार द्वारा अपने खर्च पर किया गया है।
हिमाचल प्रदेश	9	हिमाचल प्रदेश राज्य में ईपीसी आधार पर एनएचडीपी चरण-III के अंतर्गत परवाणू-सोलन खंड एनएच-22 (नया एनएच-05) को किमी 67.000 से किमी 106.139 तक चार लेन का बनाया जाना।	2022	एनएच 05 के परवाणू-सोलन खंड के परियोजना राजमार्ग (सुरंग तक पहुंच मार्ग) के दो-लेन हिस्से पर किमी 3.130 से 3.170 के बीच सड़क खंड का पतन।	ईपीसी संविदाकार द्वारा जीर्णोद्धार कार्य पूरा कर लिया गया है
हरियाणा	10	हीरो होंडा चौक एनएच 48 पर फ्लाईओवर और अंडरपास	2024	डेक स्लैब का कुछ हिस्सा बिटुमिनस सतह के धंसने के साथ नीचे गिर गया (एमसीडब्ल्यू-01) चैनेज 36+350 पर आरएचएस	क्षतिपूर्ति की वसूली हेतु संविदाकार को मध्यस्थता नोटिस जारी किया गया। सुधार एवं मरम्मत कार्य की प्रक्रिया शुरू की गई।
	11	द्वारका एक्सप्रेसवे पैकेज-III (दिल्ली/एचआर सीमा से गुरुग्राम तक आरओबी की शुरुआत)	2021	कुछ खंडों में कंक्रीट का टूटना।	संविदाकार पर 6.67 करोड़ रुपये और प्राधिकरण के इंजीनियर पर 20 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। संविदाकार और प्राधिकरण के इंजीनियर को 3 महीने के लिए काली सूची में डाल दिया गया। जीर्णोद्धार/मरम्मत कार्य पूर्ण हो गया।
	12	दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे	2024	रटिंग	प्राधिकरण ने रखरखाव में देरी के लिए संविदाकार पर 48,61,243/- रुपये का

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
		पैकेज 2			हर्जाना लगाया है। संविदाकार द्वारा गड्ढों को ठीक करने का काम शुरू कर दिया गया है और गड्ढे वाले अधिकांश हिस्से को ठीक कर दिया गया है।
	13	दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज 3	2024	रटिंग	प्राधिकरण ने रखरखाव में देरी के लिए संविदाकार पर 42,95,049/- रुपये का हर्जाना लगाया है। संविदाकार द्वारा गड्ढों को ठीक करने का कार्य शुरू कर दिया गया है और गड्ढे वाले अधिकांश हिस्से को ठीक कर दिया गया है।
गुजरात	14	सांचौर-संतालपुर पैकेज-4	2025	जून माह 2025 में बारिश के बाद गड्ढे, दरारें और सतह विरूपण/समस्या देखी गई, कुछ स्थानों पर गहरी रटिंग हो गई	संविदाकार पर ₹2.8 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है और एक वर्ष तक या सफलतापूर्वक सुधार होने तक, जो भी बाद में हो, उस पर रोक लगाने की सिफारिश की गई है। संविदाकार ने मरम्मत/पुनर्स्थापना कार्य शुरू कर दिया है। एनएचएआई के परियोजना निदेशक को निलंबित कर दिया गया है।
झारखंड	15	एनएच 75 के किमी 0.0 से किमी 34.00 तक कचहरी चौक से बिजुपारा खंड तक 4 लेन बनाना।	2022	टूटे हुए पीक्यूसी पैनल	दोषों का सुधार न करने के कारण 11.79 करोड़ रुपये की निष्पादन बैंक गारंटी का नकदीकरण
कर्नाटक	16	एनएच-948 के बेंगलूरू खंड तक बीआरटी टाइगर रिजर्व सीमा को दो/चार लेन का बनाया जाना	2025	किमी 337+670 से किमी 337+680 आरई 10 मीटर लंबाई का ब्लॉक ढह गया	रियायतग्राही ने मरम्मत/पुनर्स्थापना कार्य शुरू कर दिया है (आईआईएससी बैंगलोर द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट की सिफारिश के अनुसार।)

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	17	हुबली-होस्पेट खंड का 4 लेन	2022	पीक्यूसी फुटपाथ पर दरारें और फुटपाथ पर अनुदैर्ध्य जोड़ों का चौड़ा होना	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।
	18	कर्नाटक राज्य में एनएच-66 (पूर्व में एनएच-17) के गोवा-कर्नाटक सीमा से कुंदापुर खंड तक किमी 93.700 से किमी 283.300 तक चार लेन का कार्य एनएचडीपी-IV के तहत डीबीएफओटी पैटर्न पर बीओटी परियोजना के रूप में निष्पादित किया जाएगा:	2024	काली पुल के तीन हिस्सों के ढहने की घटना। ढलान स्थिरता कार्य अपर्याप्त।	संविदाकार को अगस्त 2024 में 1 महीने के लिए प्रतिबंधित किया गया
केरल	19	कलमस्सेरी से वल्लारपदम एनएच 966ए तक वल्लारपदम में आईसीटीटी के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग संपर्कता	2025	पुल संख्या 07 और 08 चैनेज 7+960 और चैनेज 9+067 (बीएचएस) पर पाइल फाउंडेशन में संकट देखा गया।	संविदाकार पर 30.74 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया
	20	कोडुगल्लूर से एडापल्ली एनएच 66	2025	ढेर नींव में क्षति चैनेज 398+400 और 398+989 (आरएचएस)	रियायतग्राही को 1 वर्ष के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया।
	21	एनएच -66 का चेंगला-नीलेश्वरम खंड	2022 और 2025	निर्माण के दौरान 2022 में चैनेज 72+927 पर वीयूपी का पतन दिनांक 16.06.2025 को चैनेज 58+035 से चैनेज 58+100 (आरएचएस) पर	प्राधिकरण ने रियायतग्राही और उसके प्रमोटर को भविष्य में बोली लगाने से एक महीने के लिए निलंबित कर दिया है। रियायतग्राही पर प्रतिबन्ध भी जारी किया गया है। एई के वरिष्ठ पुल अभियंता को साइट से हटा दिया गया है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
				मिट्टी की कीलें गिरने की घटना घटी, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ।	
	22	एनएच -66 का नीलेश्वरम-थालिपरंभा खंड	2025	कटे हुए भाग में असुरक्षित मिट्टी का खिसकना तथा कैरिजवे पर मलबा जमा होना।	सुधार कार्य किया गया और मध्य भाग में एहतियाती बैरिकेडिंग के साथ यातायात बहाल कर दिया गया।
	23	एनएचएआई - भारतमाला परियोजना के तहत हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर केरल राज्य में डिजाइन चैनेज 298+500 (एक्स. किमी 304.250) से डिजाइन चैनेज 335+850 (एक्स. किमी 349.260) तक एनएच - 66 (पुराना एनएच -17) के वलनचेरी बाईपास की शुरुआत से कपिरिक्कड़ खंड तक छह लेन का कार्य	2025	आरई वॉल ढह गई	संविदाकार और स्वतंत्र इंजीनियरिंग फर्म को 01 महीने की अवधि के लिए या विशेषज्ञ समिति द्वारा जांच पूरी होने तक, जो भी बाद में हो, चालू/भविष्य की बोली में भाग लेने से रोक दिया जाएगा।
	24	थुरवूर-परवूर	2025	निर्माण के दौरान 4 पीएससी गर्डरों का ढहना	एनएचएआई ने 15.35 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। ब्रिज इंजीनियर और एई के टीम लीडर को बर्खास्त कर दिया गया।
	25	भारतमाला परियोजना के अंतर्गत हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर केरल राज्य में एनएच-47 (नया एनएच-66) के किमी 486+000 से किमी.517+800 तक कोल्लम बाईपास से कदम्बट्टुकोणम तक छह लेन का निर्माण	2025	किमी चैनेज 497+370 (आरएचएस) पर छोटे पुल (निर्माणाधीन) के मचान का टूटना/गिरना	रियायतग्राही पर 9.55 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया
	26	एनएच 66 के अरूर से	2025	स्पैन पी-202-पी-	संविदाकार और एई को एक महीने के

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
		थुरवूर थेक्कू खंड तक जमीनी स्तर पर मौजूदा 4 लेन सड़क के विकास के साथ-साथ 6एल एलिवेटेड कॉरिडोर		203 पर दो पीएससी गर्डरों का गिरना प्रक्षेपण में प्रयुक्त सामग्री की प्रभावकारिता की समीक्षा करने में एई की ओर से विफलता तथा अनुमोदित प्रक्षेपण योजना का अनुप्रयोग सुनिश्चित न करना।	लिए भविष्य में बोली लगाने से रोक दिया गया।
महाराष्ट्र	27	एनएच-6 के नागपुर में आरओबी एलसी संख्या 71 और 72 सहित ऑक्ट्रोई नाका से इतवारी और मानेवाड़ा से कलमना और रानी प्रजापति स्क्वायर से वैष्णव देवी स्क्वायर तक इनर रिंग रोड के लिए आरसीसी उपयोगिता डक्ट पर पहुंच रैंप, सर्विस रोड फुटपाथ सहित आरओबी और नदी पुल के साथ एकीकृत एनएच-6 के 4-लेन फ्लाईओवर का निर्माण।	2021	प्रक्षेपण के बाद अपर्याप्त ब्रेसिंग के कारण एकल गर्डर के पी7 सिरे के खिसकने से गर्डर का एक सिरा ढह गया।	संविदाकार के परियोजना प्रबंधक को 3 महीने के लिए तथा संविदाकार को 9 महीने के लिए प्रतिबंधित किया गया। क्षतिग्रस्त गर्डर को संविदाकार द्वारा अपने खर्च पर बदल दिया गया। एनएचएआई के परियोजना निदेशक का तत्काल स्थानांतरण किया गया।
	28	एनएच-06 (नया एनएच-53) पर फाग्ने (किमी 510.000) से महाराष्ट्र/गुजरात सीमा (किमी 650.794) तक शेष कार्य	2022	चैनेज 547.344 पर प्रमुख पुल के स्लैब में क्षति देखी गई	संरचना का लेखापरीक्षण वीएनआईटी नागपुर द्वारा किया गया। वीएनआईटी, नागपुर की सिफारिश के अनुसार, संविदाकार ने स्लैब का पुनर्निर्माण कार्य शुरू कर दिया है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	29	एनएच-66 के किमी.0.0 से किमी.42.3 तक पनवेल से इंदापुर खंड के 4-लेन के लिए शेष कार्य - ईपीसी	2024	पैनल में दरार, खराब सवारी गुणवत्ता, धक्के, खराब मोड़ आदि।	संविदाकार ने सुधार कार्य शुरू कर दिया है।
	30	खंड-II कोल्डे से खेतिया रोड किमी.50+200 से 98+800	2021	टूटे हुए पैनल	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।
	31	मेहकर-अजीसपुर रोड	2024	टूटे हुए पैनल	संविदाकार की निष्पादन गारंटी जब्त कर ली गई है। क्षति की क्षतिपूर्ति हेतु प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।
	32	भोकर-सरसम	2024	टूटे हुए पैनल	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।
	33	सिल्लोड-फर्दापुर	2024	टूटे हुए पैनल	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।
	34	परभणी से गंगाखेड़	2021	टूटे हुए पैनल	संविदाकार ने पैनल प्रतिस्थापन/सुधार कार्य निष्पादित कर दिया है।
	35	अम्दी - साओनेर	2022	टूटे हुए पैनल	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।
	36	महाराष्ट्र राज्य में एनएच-66 (पूर्ववर्ती एनएच-17) को किमी 241+300 से 281+300 (अरावली से कांटे खंड) तक हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर एनएचडीपी-IV के तहत पेव्ड सड़क सहित चार लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन ।	2025	पीक्यूसी में अवसाद और दरारें	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	37	हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर एनएचडीपी-IV के तहत महाराष्ट्र राज्य में एनएच-66 (पुराना एनएच 17) का किमी 281+300 से किमी 332+200 (कांटे से वेकेड खंड) तक चार लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन।	2024	पीक्यूसी दरारें और निपटान।	संविदाकार ने टूटे हुए पैनलों को बदल दिया है।
	38	महाराष्ट्र राज्य में एनएचडीपी-IV के अंतर्गत ईपीसी मोड पर एनएच-66 (पुराना एनएच-17) का किमी 332/200 से किमी 367/200 (वातुल से तालगांव खंड) तक चार लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन।	2024	पीक्यूसी में पूर्ण गहराई वाली दरारें	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।
	39	तलेरे गगनबावड़ा कोल्हापुर रोड (एनएच-166जी) के खंडों का पुनर्स्थापन और उन्नयन, एनएच-166जी के चैप्टर 6/00 किमी से चैप्टर 11/00 किमी तक और चैप्टर 19/300 किमी (करुल घाट की शुरुआत) से 35/300 किमी (गगनबावड़ा के अंत) तक, महाराष्ट्र राज्य में ईपीसी मोड पर 2 लेन पेव्ड शोल्डर/2 लेन कॉन्फ़िगरेशन लेन, लंबाई 21.00 किमी तक।	2025	पीक्यूसी में दरारें	संविदाकार ने क्षति की मरम्मत के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	40	महाराष्ट्र राज्य में ईपीसी मोड पर कराड से तासगांव एनएच 266 पर किमी 0/00 से 58/830 तक पेव्ड सड़क सहित दो लेन का पुनर्स्थापन और उन्नयन	2024	टूटे हुए पैनल	क्षति की भरपाई संविदाकार के जोखिम और लागत पर की जाएगी।
	41	महाराष्ट्र राज्य में ईपीसी मोड पर एनएच 753 के सलाईखुर्द से तिरोदा किमी 120/100 से 163/200 (डिजाइन किमी 44/00 से 87/00) तक पेव्ड सड़क के साथ दो लेन का उन्नयन	2024	निर्माण के बाद कठोर फुटपाथ में दोष देखे जाते हैं, जैसे अनुदैर्ध्य और पार्श्व दरारें बनना, केंद्रीय जोड़ों का खुलना, पैनलों का बैठना आदि।	आईआईटी बॉम्बे को दोषों की तकनीकी जांच और उपचारात्मक उपायों के सुझाव के लिए नियुक्त किया गया है।
राजस्थान	42	दिल्ली वडोदरा एक्सप्रेस एनई-4 पैकेज 06	2024	गड्ढे, रेनकट, और जल जमाव	रियायत करार के प्रावधान के अनुसार तय समय में कमियों को ठीक न करने पर हर संविदाकार पर 50 लाख रुपये की शास्ति लगाई गई।
	43	दिल्ली वडोदरा एक्सप्रेसवे एनई-4 पैकेज 07	2024		
	44	दिल्ली वडोदरा एक्सप्रेसवे एनई-4 पैकेज 08	2024		
	45	दिल्ली वडोदरा एक्सप्रेसवे एनई-4 पैकेज 09	2024		
	46	भारतमाला परियोजना-चरण-I के तहत राजस्थान राज्य में सांगरिया (चौटाला के पास)-रासीसर (बीकानेर के पास) खंड के किमी 28+70 से किमी 53+0 तक 6-लेन पहुंच नियंत्रित ग्रीनफील्ड राजमार्ग का निर्माण।	2024	राइडिंग क्वालिटी और सेटलमेंट में कुछ अवस्थानों पर कमी देखी गई	(i) संविदाकार पर 50.00 लाख रुपये का हर्जाना लगाया गया। (ii) अथॉरिटी इंजीनियर टीम के दो खास लोगों को खराब पर्यवेक्षण की वजह से नौकरी से निकाल दिया गया।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
		(एजे/एसआर-पैकेज-2)			
	47	भारतमाला परियोजना - चरण-I के तहत राजस्थान राज्य में अमृतसर-जामनगर आर्थिक कॉरिडोर के हिस्से के तौर पर रारा-754के के संगरिया (चौटाला के पास) - रासीसर (बीकानेर के पास) खंड के किमी 53+000 से किमी 88+000 तक 6-लेन पहुंच नियंत्रित ग्रीनफील्ड राजमार्ग का निर्माण। (एजे/एसआर-पैकेज-3)	2024	83 मी. सिंगल स्पैन ट्रस ब्रिज के उद्घाटन के दौरान नोज़ स्ट्रक्चर में खराबी	संविदाकार पर 1.00 करोड़ रु. की शास्ति लगाई गई और भविष्य में ऐसा करने पर उसे प्रतिबंध की कार्रवाई की चेतावनी दी गई। एनएचएआई के कामों में फैब्रिकेशन टीम और डिज़ाइनर टीम को 02 साल के लिए प्रतिबंधित किया गया। अथॉरिटी इंजीनियर पर 20 लाख रुपये का जुर्माना और भविष्य में ऐसा करने उसे प्रतिबंध की कार्रवाई की चेतावनी दी गई। अथॉरिटी इंजीनियर द्वारा तैनात सीनियर ब्रिज इंजीनियर को एनएचएआई के कामों में 2 साल के लिए प्रतिबंधित किया गया।
	48	दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज 4	2024	रटिंग और पहुंमार्ग का सेटलमेंट	कमियों को हमेशा के लिए ठीक करने के लिए विस्तृत अध्ययन के लिए आईआईटी, खड़गपुर को सौंपा गया है।
	49	दिल्ली-वडोदरा एक्सप्रेसवे पैकेज 5	2024	आरई दीवार का उबड़-खाबड़ होना, पहुंचमार्ग का बैठना और उभार होना	अनुरक्षण में देरी के लिए 88.32 लाख रुपये का हर्जाना लगाया गया। सीआर आरआई के सुझावों के अनुसार आरई दीवार के उभार को ठीक कर दिया गया है। ज़्यादातर गड्ढे ठीक कर दिए गए हैं। इसके अलावा, ऊपर बताई गई चीज़ों के अलावा, आईआईटी खड़गपुर को कमियों को हमेशा के लिए ठीक करने के लिए विस्तृत अध्ययन के लिए लगाया गया है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	50	दिल्ली-वडोदरा ग्रीनफील्ड संरेखण (रारा-148एन) (पैकेज-16) चै. 427.300 से चै. 452.420) [नयागांव के पास जागीर गांव से राजस्थान/एमपी सीमा तकली नदी पर बड़ा पुल]	2024	यह खंड 30.11.2023 से चालू है और कुछ जगहों पर संरचना के रास्ते में सेटलमेंट देखे गए हैं।	ईपीसी संविदाकार ने नुकसान ठीक कर दिया है।
	51	राजस्थान के नागौर जिले में रारा-65 पर जोधपुर-अजमेर रोड पर किमी 172.990 पर मौजूदा लेवल क्रॉसिंग नंबर सी-64 के स्थान पर प्रस्तावित 2-लेन आरओबी और इसके पहुंचमार्ग का निर्माण	2024	काम पूरा होने के बाद, खराब कारीगरी की वजह से आरओबी के डेक स्लैब में हनी कॉम्बिंग की वजह से स्ट्रक्चरल खराबी देखी गई है।	संविदाकार खत्म कर दिया गया है । संविदाकार का निष्कासन सुधार के काम के लिए बोलियां मंगाई गई है।
तेलंगाना	52	हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर भारतमाला परियोजना के अंतर्गत तेलंगाना राज्य में मंगलूर (डिज़ाइन कि.मी. 86.788/मौजूदा कि.मी. 91.350) से तेलंगाना/महाराष्ट्र सीमा (डिज़ाइन कि.मी. 135.751/मौजूदा कि.मी. 140.873) तक रारा-161 को चार लेन का बनाना (पैकेज-III)	2022	कुछ जगहों पर ओ एंड एम अवधि के दौरान परियोजना राजमार्ग में रटिंग और ब्लीडिंग देखी गई।	रखरचाव की ज़िम्मेदारियों के उल्लंघन के लिए **134.784 करोड़ रुपये** का जुर्माना लगाया गया।
तमिलनाडु	53	चेट्टीकुलम खंड के 0.000 किमी से 7.300 किमी तक 4 लेन का निर्माण	2021	निर्माण के दौरान बेयरिंग लगाते समय डाउन रैंप के किमी 2+850 पर पियर पी4 और पी 5 के बीच 3 गर्डर (जी1, जी2 और जी3) गिर गए।	संविदाकार ने बताई गई जगहों पर अपने खर्चे पर गर्डर बदल दिए हैं।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
	54	सेठियाथोप - चोलपौरम खंड के 65.960 किमी से 116.440 किमी तक 4-लेन बनाना	2022 और 2025	2022 में: कोल्लिडम नदी पर अनाइकराई बड़े पुल के किमी 107+400 पर हाइड्रोलिक जैक फेल होने की वजह से नीचे गिर गया। 2025 में: ए2 (तंजावुर) साइड पंहुच (बाईं ओर) का आरई वॉल ब्लॉक हिस्सा जियो ग्रिड से अलग हो गया है और नीचे गिर गया है।	2022 में: 7.305 करोड़ रुपये (बीपीसी का 0.5%) की शास्ति लगाई गई और रियायतग्राही से वसूल की गई। टूटे हुए हिस्से को रियायतग्राही ने अपने खर्चे पर फिर से बनवाया है। 2025 में: सुधार का काम रियायतग्राही ने अपने खर्च पर पूरा किया।
	55	तंजावुर-त्रिची खंड के 80.000 किमी से 136.490 किमी तक 4-लेन का बनाना	2023	ए1 (तंजावुर) साइड अप्रोच (बाईं ओर) का आरई वॉल पैनल हिस्सा जियो ग्रिड से अलग हो गया है और नीचे गिर गया है।	एक्सपर्ट कमिटी की रिपोर्ट के आधार पर, संविदाकार ने मिट्टी की कील लगाकर रेस्टोरेशन का काम पूरा कर लिया।
उत्तर प्रदेश	56	हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर उत्तर प्रदेश राज्य में रारा-731ए के किमी 35.00 से 49.155 तक पेव्ड शोल्डर सहित 4 लेन ग्रीन फील्ड राजमार्ग का निर्माण। (जॉब सं. सीई-आरओ-एलकेओ/एनएच(ओ)/रारा-731ए/2021-22/627 दिनांक 05-01-2022)	2025	कुछ हिस्सों में बारिश का पानी रिसने के कारण डीबीएम पर दरारें देखी गईं।	प्रोजेक्ट अभी बन रहा है, रिपेयर और रेक्टिफिकेशन का काम रियायतग्राही ने अपने खर्च पर किया है।
	57	लखनऊ रिंग रोड पैकेज-3ए	2024	2.886 किमी की लंबाई में पीक्यूसी पैनल में दरारें।	संविदाकार ने नुकसान को ठीक करने की प्रक्रिया शुरू कर दिया है।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड	58	रारा-74 के हरिद्वार-नगीना खंड पर 4 लेन	2023	पीक्यूसी पैनल में दरारें	संविदाकार ने नुकसान को ठीक करने का प्रक्रिया शुरू कर दिया है।
उत्तराखंड	59	उत्तराखंड राज्य में एनएच-134 (पुराना एनएच-94) के साथ पड़ने वाले चैनेज 25.400 किलोमीटर और चैनेज 51.000 किलोमीटर के बीच धरासू – यमुनोत्री खंड पर पहुंचमार्ग सहित 2-लेन द्वि-दिशात्मक सिल्क्यारा बेंड बरकोट सुरंग का निर्माण, संचालन और रखरखाव	2023	सिल्क्यारा टनल में कैविटी ढह गई।	ईपीसी संविदाकार ने अपने खर्च पर सुधार के उपाय किए। जांच कमिटी की रिपोर्ट के अनुसार कार्रवाई शुरू की गई।
पश्चिम बंगाल	60	ईपीसी मोड पर पश्चिम बंगाल राज्य में रारा-32 (लंबाई 10.315 किमी) के पुरुलिया बाईपास खंड के किमी 84.030 से किमी 94.345 तक 4-लेन का निर्माण	2025	नए बने पीक्यूसी में दरारें आ गई हैं।	i) संविदाकार ने सुधार का काम शुरू किया। संविदाकार के बिल से 20.00 लाख रुपये काट लिए गए। ii) एई के खास लोगों को एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है।
	61	पश्चिम बंगाल राज्य में चिचरा से खड़गपुर किलोमीटर 185.150 से किलोमीटर 134.400 तक रारा-6 को पेव्ड शोल्डर सहित चार लेन का बनाना , जिसमें किलोमीटर 134.400 से किलोमीटर 129.600 तक मौजूदा चार लेन का सुधार भी शामिल है।	2023	पीक्यूसी पैनलों में दरारें	ईपीसी संविदाकार के रिस्क और कॉस्ट पर रिपेयर किया गया।
ओडिशा	62	एनएच-16 का चंडीखोले-भद्रक खंड	2023	1. किमी 96+326 पर पुल का खराब डिज़ाइन: 2. किमी 79+614 पर पुल:	1. किमी 96+326 पर खराब डिज़ाइन के लिए, रियायतग्राही पर 30 लाख रु. और स्वतंत्र इंजीनियर पर 5 लाख रु. की शास्ति लगाई गई। आईई के टीम लीडर और रियायतग्राही के खास लोगों को निलंबित कर दिया गया।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
				कैंटिलीवर टूटने की वजह से स्पैन ए1-पी1, पियर पी2 से अलग हो गया था घाट का एक हिस्सा टूटकर ज़मीन पर गिर गया था। ग्रिड "पी2" पर पियर कैप में चौड़ी दरारें (3-4 मिमी तक) दिखना। डेक स्लैब और उखड़े हुए स्पैन के गर्डर को नुकसान।	किमी 79+614 पर पुल के लिए : संविदाकार पर 5 करोड़ रुपये और पर्यवेक्षण परामर्शदाता पर 20 लाख रु. की शास्ति लगाई गई। डीपीआर परामर्शदाता को 1 साल के लिए बैन किया गया। पूरे सुधार के उपायों / पुर्ननिर्माण का खर्च रियायतग्राही से वसूला गया।
	63	एकल प्रतिशत मद दर अनुबंध में ओडिशा राज्य में एनएच-215 (नया एनएच - 20) के पानीकोइली - रिमुली खंड पर किमी 0.000 से किमी 163.000 (डिजाइन चै. किमी 0.000 से 166.173) तक के शेष कार्य को पूरा करना	2022	पियर कैप (पी8) और गर्डरों (पी8 – पी9 स्पैन) का ढहना। बेलाबहाली बड़े पुल एलएचएस का किमी. 35.341 पर निर्माणाधीन शेष कार्य गर्डरों की लॉन्चिंग के दौरान ढह गया।	बनी हुई विशेषज्ञ कमिटी की सिफारिश के आधार पर संविदाकार ने अपने खर्च पर रेस्टोरेशन का काम किया।
असम	64	ईपीसी आधार पर भारतमाला परियोजना के तहत असम राज्य में एनएच-31 और एनएच-31सी [नया एनएच-27 (ईडब्ल्यू)] के खंडों पर बोंगाईगांव, चापागुरी, पाठशाला, सिमलागुरी चौक और बैहाटा जंक्शनों पर 6-लेन के स्टैंडअलोन फ्लाईओवर का निर्माण	2024	बैहाटा फ्लाईओवर (स्पैन पी1-पी2) पर एक पीएससी गर्डर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई।	संविदाकार पर शास्ति लगाई गई। संविदाकार को 4 महीने के लिए बैन कर दिया गया।

राज्य	क्र. सं.	परियोजना का नाम	घटना का वर्ष	बड़ी क्षतियों/दोषों का विवरण	कृत कार्रवाई
अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	65	ईपीसी मोड पर संघ राज्य क्षेत्र अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में एनएच-4 के अंडमान ट्रंक रोड के किमी 181.00 से किमी 206.00 खंड तक हॉर्ड शोल्डर के साथ इंटरमीडिएट लेन में पुनर्स्थापन (कुल लंबाई 25.00 किमी)" (पैकेज-VII)	2024	अलग-अलग जगहों पर फुटपाथ का धंसना।	सुधार का काम पूरा हो गया।
	66	ईपीसी मोड पर संघ राज्य क्षेत्र अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में दक्षिण अंडमान और बाराटांग द्वीप को जोड़ने वाले एनएच- 223 (नया एनएच-4) के किमी 21.717, किमी 23.150, किमी 88.300, किमी 92.100 पर 4 छोटे पुलों का निर्माण	2024	बीडी नाला पर किमी 88+300 पर बने छोटे पुल के डेक स्लैब (बाईं ओर) में पंचिंग और खराब कारीगरी समेत दूसरी क्वालिटी की दिक्कतें।	ईपीसी संविदाकार ने सीआरआरआई-सीएसआईआर रिपोर्ट के अनुसार स्लैब बदलने सहित ज़रूरी सुधार अपने खर्चे पर किए हैं।

*****